



















## सावन में शिवलिंग पर चढ़ाएं ये 3 तेल, सुख-सौभाग्य का मिलेगा वरदान

हिंदू धर्म में सावन का महीना सुख-सौभाग्य का कारक माना जाता है। अगर आप शिवलिंग की पूजा कर रहे हैं भोलनाथ को कृष्ण ऐसे तेल हैं, जो चढ़ाने से उत्तम पौरणम मिल सकते हैं। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव का समर्पित है। इस दौरान शिव भक्त उनकी कृपा पाने के लिए अनेक प्रकार से पूजा-अचंना करते हैं।

सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का विशेष महत्व है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कृष्ण विशेष तेलों का शिवलिंग पर अर्पित करने से सुख-सौभाग्य और मनोकामना फल की प्राप्ति होती है? ऐसे ही 3 तेलों के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिन्हें सावन में शिवलिंग पर चढ़ाना अत्यन्त शुभ माना जाता है।

**शिवलिंग पर चढ़ाएं तिल का तेल**  
हिंदू धर्म में तिल का तेल अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता है। फौरांशिक कथाओं के अनुसार, तिल की उत्तित भगवान विष्णु के शरीर से हुई है, इसलिए इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। वहीं, भगवान शिव को तिल और तिल से बनी चीजें अर्पित करना विशेष फलदायी माना गया है। माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा, व्रत और शिवलिंग पर जल व बेल पत्र चढ़ाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। मगर, क्या आपको पता है कि किस शिवलिंग की पूजा करें करनी चाहिए। जी हाँ, आप सही समझ रही हैं। शिवलिंग के कई प्रकार होते हैं और उस पर बेल पत्र आदि चढ़ाते हैं।

**शिवलिंग पर चढ़ाएं चंदन का तेल**  
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंदन का संबंध चढ़ाना और शुक्र ग्रह से है। चंदन का तेल चढ़ाने से कंडली में इन ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है और मानसिक शांति मिलती है। इसलिए आप सावन के महीने में शिवलिंग पर चंदन का तेल चढ़ाने से उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

**शिवलिंग पर चढ़ाएं सरसो का तेल**  
आर्थिक समस्याओं से ज़्यादा रहे लोगों के लिए भी सावन में सरसों का तेल अर्पित करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। धन-धार्य में घुड़ि के लिए यह एक प्रभावी उपाय है। जो लोग कर्ज में डूबे हुए हैं या आर्थिक तरीं का सामना कर रहे हैं, उन्हें नियमित रूप से शिवजी पर सरसों का तेल चढ़ाना चाहिए। इससे धन लाभ के नए मार्ग खुलते हैं और धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है। अगर घर में लगातार क्लेश रहता है या परिवार के सदस्यों के बीच सामजिक झगड़ा होता है, तो सावन में शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाने से गृह-क्लेश दूर होता है और परिवार में सुख-शांति आती है।

**मिश्री शिवलिंग**  
चीनी या मिश्री से बने शिवलिंग को मिश्री शिवलिंग कहा जाता है। अगर आपके घर में किसी की तिवित खराब है तो आपको रोजाना मिश्री से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे रोगी का रोग दूर होता है।

**जौं और चावल के शिवलिंग**

अगर आप जानती हैं कि आपके घर में समृद्धि आइ तो आपको इसके लिए जौं और चावल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। अगर



## 10 तरह के होते हैं शिवलिंग, सबकी अलग तरह से होती है पूजा और मिलता है अलग फल

सावन का महीना भगवान शिव का महीना होता है। इस महीने में

भगवान शिव की पूजा अराधना कर उनके भक्त उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं बहुत सारे भक्त तक सावन का महीना चालता है तब तक वह दोज शिवलिंग की पूजा करते हैं और उस पर बेल पत्र आदि चढ़ाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की पूजा, व्रत और शिवलिंग पर जल व बेल पत्र चढ़ाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। मगर, क्या आपको पता है कि किस शिवलिंग की पूजा करें करनी चाहिए। जी हाँ, आप सही समझ रही हैं। शिवलिंग के कई प्रकार होते हैं और उस पर बेल चढ़ाने से भक्तों की उत्तम उपयोग किया जाता है। अगर आपको अपने भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं। इस दौरान शिवलिंग पर तिल का तेल चढ़ाने से कई प्रकार के रोग, दोष और कष्टों से मुक्ति मिलती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता का संचार करता है।

**पारद शिवलिंग**

अगर आप सावन के महीने में रुद्राभिषेक करवाना चाहती हैं तो आपको पारद शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए।

अगर आप शिवलिंग का रुद्राभिषेक करवानी हैं तो आपके जीवन में हमेशा सुखशांति बनी रहेगी। इतना ही नहीं महिलाएं अगर इस शिवलिंग की पूजा करती हैं तो उनको सौभाग्य प्राप्त होता है।

**भर्स शिवलिंग**  
उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी भर्स आरती फैसल है।

मगर यहाँ की भर्स से बनी शिवलिंग की भी पूजा होती है। यह शिवलिंग अधिकतर अधोर्णी बाबा लोग सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए बनाते हैं। घर में भर्स से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

**गुड़ के शिवलिंग**  
जैसे चीजों के शिवलिंग होते हैं वैसे ही गुड़ और अंत्र को मिला कर भी शिवलिंग बनाते हैं।

**दही के शिवलिंग**  
सुनकर आपको आश्चर्य हो रहा होगा मगर दही के शिवलिंग भी बन जाते हैं। इसके लिए दही को कपड़े में बांध कर आपको रखना होगा और फिर उसके शिवलिंग बनाने होंगे।

**लहसुनिया शिवलिंग**  
अगर आपको कोई शत्रु है और वह आपको परेशान कर रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए आप लहसुनिया शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है।



अप बहुत समय से संतान के लिए प्रयास कर रही हैं तब भी आपको जौं और चावल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

**भर्स शिवलिंग**

उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी भर्स आरती फैसल है।

मगर यहाँ की भर्स से बनी शिवलिंग की भी पूजा होती है। यह शिवलिंग अधिकतर अधोर्णी बाबा लोग सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए बनाते हैं। घर में भर्स से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

**गुड़ के शिवलिंग**

जैसे चीजों के शिवलिंग होते हैं वैसे ही गुड़ और अंत्र को मिला कर भी शिवलिंग बनाते हैं।

**दही के शिवलिंग**

सुनकर आपको आश्चर्य हो रहा होगा मगर दही के शिवलिंग भी बन जाते हैं। इसके लिए दही को कपड़े में बांध कर आपको रखना होगा और फिर उसके शिवलिंग बनाने होंगे।

**लहसुनिया शिवलिंग**

अगर आपको कोई शत्रु है और वह आपको परेशान कर रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए आप लहसुनिया शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है।

**पारद शिवलिंग**

उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी पारद आरती फैसल है।

मगर यहाँ की पारद से बनी शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

**भर्स शिवलिंग**

जैसे चीजों के शिवलिंग होते हैं वैसे ही भर्स और अंत्र को मिला कर भी शिवलिंग बनाते हैं।

**दही के शिवलिंग**

सुनकर आपको आश्चर्य हो रहा होगा मगर दही के शिवलिंग भी बन जाते हैं।

**लहसुनिया शिवलिंग**

अगर आपको कोई शत्रु है और वह आपको परेशान कर रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए आप लहसुनिया शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

**पारद शिवलिंग**

उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी पारद आरती फैसल है।

**दही के शिवलिंग**

सुनकर आपको आश्चर्य हो रहा होगा मगर दही के शिवलिंग भी बन जाते हैं।

**लहसुनिया शिवलिंग**

अगर आपको कोई शत्रु है और वह आपको परेशान कर रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए आप लहसुनिया शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

**पारद शिवलिंग**

उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी पारद आरती फैसल है।

**दही के शिवलिंग**

# विद्यार-मंत्रालय

## संपादकीय

## दबाव के आगे नहीं झुक कर मोदी ने ट्रंप का झूठ उजागर किया और रूस से दोस्ती का मान भी रखा

### टीआरएफ पर फिर फंसा पाकिस्तान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मॉनिटरिंग रिपोर्ट में पहलगम हमले में आतंकी संगठन टीआरएफ की भूमिका का जिक्र होने के बाद अब पाकिस्तान के लिए बचने का कोई रस्ता नहीं रह गया है। उसका यह झूठ दुनिया के सामने बैनकाव हो चुका है कि भारत में हुए आतंकवादी हमले से उसका नाता नहीं। यह भारत के लगातार विष गए कर्टनीतिक प्रयासों की जित है। मॉनिटरिंग टीम ने रिपोर्ट में लिखा है कि टीआरएफ ने दो बार हमले की जिम्मेदारी ली और यह अंतक पाकिस्तान की जीवन से संचालित आतंकवादी के समर्थन लश्कर-ए-तैयबा के बिना संचालित नहीं। टीर्फ़ाड़ा पर नज़र रखने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसी एक्टिवीएफ ने भी कुछ दिनों पहले कहा था कि इतना बड़ा आतंकी घटना आर्थिक मदद के बिना नहीं हो सकता। पाकिस्तान के लिए दो-दो ग्रोवल एजेंसियों की फाइडिंग को झुटलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इस्तिमाल है, यहाँ पर्याप्त छोड़ भरने की बहुत महंगती है। यूएनएससी की टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया करार गई - लश्कर के साथ जुड़वा के सहूल संगीण है। पिछले दिनों विदेश मंत्री साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डैनेशियन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सुनहरा को झुटलाने की कोशिश की और इसमें दो बीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरपूर साथ दिया था विदेश सर्सोंसी के प्रेस स्टेटमेंट ये टीआरएफ का नाम हटाया दिया है। हालांकि इस बार चीन पाकिस्तान का गढ़जोड़ नाकाम हो गया। यह हार पाकिस्तान के प्रैक्टिस वॉर की भी है। लश्कर-ए-तैयबा घोषित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संघटन है। इस पर कार्रवाई का दबाव बढ़ने के बाद पाकिस्तानों 2019 में टीआरएफ को खड़ा किया था। लर्डी की लड़ाकों और हथियारों की इतेमाल कर टीआरएफ फैलाने में लगा हुआ था। लेकिन, इस बार दुनिया ने उपर्युक्त प्रैक्टिस टैटिवर्स को पहचान दिया। मॉनिटरिंग रिपोर्ट को सुरक्षा परिषद के सभी संदर्भ आप सहमति से अपनाते हैं यानी पाकिस्तान अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। पिछले कुछ अर्सेस के कूटनीतिक मोर्चे पर वह धिरता जा रहा है। पहले बाब्ड के संयुक्त बाब्ड में पहलगम आतंकी हमले का जिक्र आया और फिर अमेरिका ने टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन धोषित किया। भारत के लिए यह बिल्कुल सही समय है।

(नीरज कुमार दुबे )

भारत ने यह दिखा दिया है कि वह वैश्विक शक्ति-संतुलन में किसी का मोहरा नहीं बनेगा। रूस के साथ संबंध बचाने के लिए अमेरिकी दबाव को उत्तराना केवल कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत अपने दोषीकालीन राष्ट्रीयों से समझौता नहीं करेगा, जो बीमां बीमां हो। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 दिन टैरिफ़ लगाकर फिरपील संबंधों में खातास पैदा की है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेढ़ एकानामी' कह कर अमेरिकी राष्ट्रीय पद की गरिमा को भी ठेस पर्वहाँ है। यह ब्यान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों को दबाव की जगह एक जारी रखने के लिए बाज़ार की शर्त है। एक्टिवीएफ ने पर नज़र रखने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसी एक्टिवीएफ ने भी कुछ दिनों पहले कहा था कि इतना बड़ा आतंकी घटना आर्थिक मदद के बिना नहीं हो सकता। पाकिस्तान के लिए दो-दो ग्रोवल एजेंसियों की फाइडिंग को झुटलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इस्तिमाल है, यहाँ पर्याप्त छोड़ भरने की जित है। यूएनएससी की टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया करार गई - लश्कर के साथ जुड़वा के सहूल संगीण है। पिछले दिनों विदेश मंत्री साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डैनेशियन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सुनहरा को झुटलाने की कोशिश की और इसमें दो बीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरपूर साथ दिया था विदेश सर्सोंसी के लिए एनएससी से बचने वाली थी। पिछले दिनों विदेश मंत्री ने अपने जीवन की रुख बदल दिया कि इतना बड़ा आतंकवादी की जिम्मेदारी ली और यह अंतक पाकिस्तान की जीवन से संचालित आतंकवादी के बिना संचालित हो जाए। ट्रंप फिरपील के लिए दो-दो ग्रोवल एजेंसियों की फाइडिंग को झुटलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इस्तिमाल है, यहाँ पर्याप्त छोड़ भरने की जित है। यूएनएससी की टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया करार गई - लश्कर-ए-तैयबा के साथ जुड़वा के सहूल संगीण है। पिछले दिनों विदेश मंत्री साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डैनेशियन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सुनहरा को झुटलाने की कोशिश की और इसमें दो बीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरपूर साथ दिया था विदेश सर्सोंसी के लिए एनएससी से बचने वाली थी। पिछले दिनों विदेश मंत्री ने अपने जीवन की रुख बदल दिया कि इतना बड़ा आतंकवादी की जिम्मेदारी ली और यह अंतक पाकिस्तान की जीवन से संचालित आतंकवादी के बिना संचालित हो जाए। ट्रंप फिरपील के लिए दो-दो ग्रोवल एजेंसियों की फाइडिंग को झुटलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इस्तिमाल है, यहाँ पर्याप्त छोड़ भरने की जित है। यूएनएससी की टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया करार गई - लश्कर-ए-तैयबा के साथ जुड़वा के सहूल संगीण है। पिछले दिनों विदेश मंत्री साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डैनेशियन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सुनहरा को झुटलाने की कोशिश की और इसमें दो बीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरपूर साथ दिया था विदेश सर्सोंसी के लिए एनएससी से बचने वाली थी। पिछले दिनों विदेश मंत्री ने अपने जीवन की रुख बदल दिया कि इतना बड़ा आतंकवादी की जिम्मेदारी ली और यह अंतक पाकिस्तान की जीवन से संचालित आतंकवादी के बिना संचालित हो जाए। ट्रंप फिरपील के लिए दो-दो ग्रोवल एजेंसियों की फाइडिंग को झुटलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इस्तिमाल है, यहाँ पर्याप्त छोड़ भरने की जित है। यूएनएससी की टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया करार गई - लश्कर-ए-तैयबा के साथ जुड़वा के सहूल संगीण है। पिछले दिनों विदेश मंत्री साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डैनेशियन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सुनहरा को झुटलाने की कोशिश की और इसमें दो बीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरपूर साथ दिया था विदेश सर्सोंसी के लिए एनएससी से बचने वाली थी। पिछले दिनों विदेश मंत्री ने अपने जीवन की रुख बदल दिया कि इतना बड़ा आतंकवादी की जिम्मेदारी ली और यह अंतक पाकिस्तान की जीवन से संचालित आतंकवादी के बिना संचालित हो जाए। ट्रंप फिरपील के लिए दो-दो ग्रोवल एजेंसियों की फाइडिंग को झुटलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इस्तिमाल है, यहाँ पर्याप्त छोड़ भरने की जित है। यूएनएससी की टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया करार गई - लश्कर-ए-तैयबा के साथ जुड़वा के सहूल संगीण है। पिछले दिनों विदेश मंत्री साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डैनेशियन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सुनहरा को झुटलाने की कोशिश की और इसमें दो बीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरपूर साथ दिया था विदेश सर्सोंसी के लिए एनएससी से बचने वाली थी। पिछले दिनों विदेश मंत्री ने अपने जीवन की रुख बदल दिया कि इतना बड़ा आतंकवादी की जिम्मेदारी ली और यह अंतक पाकिस्तान की जीवन से संचालित आतंकवादी के बिना संचालित हो जाए। ट्रंप फिरपील के लिए दो-दो ग्रोवल एजेंसियों की फाइडिंग को झुटलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इस्तिमाल है, यहाँ पर्याप्त छोड़ भरने की जित है। यूएनएससी की टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया करार गई - लश्कर-ए-तैयबा के साथ जुड़वा के सहूल संगीण है। पिछले दिनों विदेश मंत्री साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डैनेशियन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सुनहरा को झुटलाने की कोशिश की और इसमें दो बीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरपूर साथ दिया था विदेश सर्सोंसी के लिए एनएससी से बचने वाली थी। पिछले दिनों विदेश मंत्री ने अपने जीवन की रुख बदल दिया कि इतना बड़ा आतंकवादी की जिम्मेदारी ली और यह अंतक पाकिस्तान की जीवन से संचालित आतंकवादी के बिना संचालित हो जाए। ट्रंप फिरपील के लिए दो-दो ग्रोवल एजेंसियों की फाइडिंग को झुटलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इस्तिमाल है, यहाँ पर्याप्त छोड़ भरने की जित है। यूएनएससी की टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया करार गई - लश्कर-ए-तैयबा के साथ जुड़वा के सहूल संगीण है। पिछले दिनों विदेश मंत्री साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डैनेशियन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए



